विश्व रंग फाउंडेशन भारत
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY
MADHYA PRADESH, BHOPAL

अंतरराष्ट्रीय हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्य सामग्री
CONTENT BOOK

प्रारंभिक स्तर

बुनियादी हिंदी

Hindi for Absolute Beginners

संपादक - संतोष चौबे

हिंदी सीखना और सिखाना है, विश्व में हिंदी की पहचान बनाना है।
Hindi Seekhna Aur Sikhana Hai, Vishwa Main Hindi ki Pehchan Banana Hai

विश्वरंग फाउंडेशन भारत एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र.) भारत

पाठ्य सामग्री

प्रारंभिक – बुनियादी हिंदी

Hindi for Absolute Beginners

संपादक : संतोष चौबे

आईसेक्ट
पब्लिकेशन

ISBN : 978-93-88846-41-7

प्रारंभिक – बुनियादी हिंदी

संपादक : संतोष चौबे

लेखक : डॉ. गायत्री राजपूत एवं डॉ. मधुप्रिया

मार्गदर्शन : डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स

समन्वय : डॉ. पुष्पा असिवाल, डॉ. जवाहर कर्नावट, संजय सिंह राठौर, दिनेश लोहानी एवं आशीष नेमा

अकादमिक सहयोग : डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय

चित्र, तकनीकी सहयोग एवं कंपोसिंग : कार्तिक सराठे

आवरण : कमलेश ठाकुर एवं कार्तिक सराठे

संयोजन :
अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, विश्वरंग फाउंडेशन
रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल

मूल्य **:** ₹ 600

प्रथम संस्करण **2025**
© आईसेक्ट पब्लिकेशन्स

प्रकाशक : आईसेक्ट पब्लिकेशन
ई-7/22, एस.बी.आई., अरेरा कॉलोनी,
भोपाल-462016
ईमेल : aisectpublications@aisect-org
दूरभाष : 0755-4851056
मोबाईल : 8818883165

मुद्रक : आईसेक्ट पब्लिकेशन
प्लॉट नंबर-10, सेक्टर-सी, औद्योगिक क्षेत्र,
बगरोदा, भोपाल, मध्यप्रदेश - 462026

इस पुस्तक का सर्वाधिकार सुरक्षित है। प्रकाशक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश को, फोटोकॉपी एवं रिकार्डिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से, अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनरूप्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

भूमिका

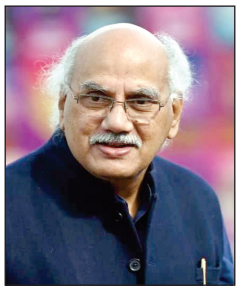

हिंदी भाषा केवल भारत की ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की आत्मा को जोड़ने वाली भाषा बनती जा रही है। आज हिंदी के माध्यम से भारत की संस्कृति, कला और विचारों की पहचान अनेक देशों तक पहुँच रही है। पुस्तक लेखन इसी वैश्विक मिशन का एक भाग है । इसके अंतर्गत पांच पुस्तकों की शृंखला तैयार की गई है, इस शृंखला में **"प्रारंभिक - बुनियादी हिंदी"** पहली पुस्तक है। इस पुस्तक का उद्देश्य विदेशी विद्यार्थियों को सरल, रोचक और व्यावहारिक ढंग से हिंदी सिखाना है जो पहली बार इस भाषा से परिचित हो रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हिंदी सीखने वाला हर विद्यार्थी न केवल शब्दों और वाक्यों को जाने, बल्कि भारतीय जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं को भी महसूस करे। इस पुस्तक में हिंदी भाषा को बहुत सहज और क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत किया गया है- इसमें हिंदी वर्णमाला, स्वर और व्यंजन, मात्राएँ, शब्द निर्माण, अभिवादन के बोल तथा दैनिक जीवन से जुड़े सरल हिंदी संवाद जैसे उपयोगी विषय शामिल हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी धीरे-धीरे अक्षर से शब्द और शब्द से वाक्य तक पहुँचते हुए बोलचाल की हिंदी में दक्षता प्राप्त करेंगे।

आज पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति और भाषाओं की ओर आकर्षित हो रही है। हिंदी अब केवल साहित्यिक भाषा नहीं रही, बल्कि यह एक सशक्त संचार माध्यम और रोजगार की संभावनाएँ देने वाली भाषा बन चुकी है।

इस पुस्तक की प्रेरणा 'विश्वरंग' से मिली है। विश्वरंग रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल तथा विश्व रंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित कला और संस्कृति का एक विश्व-स्तरीय महोत्सव है। हिंदी के इसी विस्तार, प्रेम और वैश्विक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए यह पुस्तक तैयार की गई है।

यह हिंदी सीखने की यात्रा केवल भाषा सीखने की नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़ने की यात्रा बनेगी। हिंदी को विश्व की साझा भाषा बनाने का यह एक छोटा किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। आइए, हम सब मिलकर इस मिशन का हिस्सा बनें।

संतोष चौबे
कुलाधिपति, रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय(भोपाल, मध्यप्रदेश)
निदेशक, 'विश्व रंग फाउंडेशन' (भारत)

अंतरराष्ट्रीय हिंदी पाठ्यक्रम
पुस्तक शृंखला

प्रारंभिक – बुनियादी हिंदी

स्तर –1 हिंदी में अभिव्यक्ति

स्तर – 2 हिंदी से संवाद

स्तर – 3 हिंदी साहित्य एवं संस्कृति

स्तर – 4 हिंदी का पल्लवन

अनुक्रम
Anukram
Index

क्रम	हिंदी	Roman	English	प्रष्ठ क्र. / Page N.
1.	हिंदी वर्णमाला	Hindi Varnamala	Hindi Alphabets	**01-12**
2.	‘र’ के विभिन्न रूप	‘र’ ke Vibhinn Roop	Different forms of ‘र’	**13-14**
3.	अभिवादन के बोल!	Abhivadan ke Bol!	Words of Greeting!	**15-16**
4.	हिंदी की मात्राएं	Hindi ki Maatrayein	Hindi Matras	**17-20**
5.	शब्द निर्माण	Shabd nirmaan	Word formation	**21-23**
6.	मेरा परिवार	Mera Parivaar	My Family	**24-28**
7.	हमारी आस-पास की चीजें	Hamari Aas-Paas ki Cheejen	Things Around Us	**29-32**
8.	रंगों की दुनिया	Rangon ki Duniya	The World of Colors	**33-36**
9.	गिनती सीखें	Ginti Seekhen	Learn Counting	**37-40**
10.	पालतू और जंगली पशु	Paltoo aur Jangli Pashu	Domestic and Wild Animals	**41-44**
11.	मानव शरीर के अंग	Manav Sharir ke Ang	Parts of the Human Body	**45-50**
12.	भारत के त्यौहार	Bharat ke Tyohar	Indian Festivals	**51-58**

1

हिंदी वर्णमाला / Hindi varnmala / Hindi alphabet

परिचय :-

हिंदी वर्णमाला में 46 वर्ण होते है। हम वर्णमाला में स्वर (Vowel) और व्यंजन (Consonant) के बारे में सीखते हैं। यह अध्याय हिंदी वर्णमाला के स्वर और व्यंजन को उनके उच्चारण (phonic) की दृष्टि से प्रस्तुत करता है। इस अध्याय में प्रत्येक वर्ण के उच्चारण, उनके उदाहरण और सरल अभ्यास शामिल हैं। चित्रों का उपयोग करके इस अध्याय को विद्यार्थियों के लिए आकर्षक और रोचक बनाया गया है।

Parichay :-

Hindi Varnmala mein 46 Varn hote hai. Hum Varnamaala mein swar (Vowel) aur vyanjan (Consonant) ke baare meinseekhte hain. Yah adhyay Hindi varnamaala ke swar aur vyanjan ko unke uchchaaran (phonic) ki drishti se prastut karta hai. Is adhyaay mein pratyek varna ke uchchaaran, unke udaharan aur saral abhyas shamil hain. Chitron ka upayog karke is adhyay ko vidyaarthiyon ke liye aakarshak aur rochak banaya gaya hai.

Introduction :-

In Hindi there are 46 letters ***(वर्ण / Varn).*** Vowels and consonants are learn in the Hindi alphabet. This chapter presents the vowels and consonants of the Hindi alphabet from a phonic point of view. This chapter includes the pronunciation of each letter, their examples, and simple exercises.This chapter has been made attractive and interesting for the students by using pictures.

हिंदी वर्णमाला (Alphabate)

स्वर (Vowels) :-

स्वर वे ध्वनियाँ हैं, जो बिना किसी रुकावट के उच्चरित होती हैं। हिंदी में 13 मूल स्वर हैं।

Swar (Vowels) :-

Swar ve dhvaniyaan hain jo bina kisi rukavat ke uchcharit hoti hain. Hindi mein 13 mool swar hain.

Vowels :-

Vowels are sounds that are pronounced without any obstruction. There are 13 basic vowels in Hindi.

स्वर / Swar / Vowels :-

अ (a)	*a*	अनार / Anaar / Pomegranate
आ (aa)	*a:*	आम / Aam / Mango
इ (i)	*i*	इमली / Imli / Tamarind
ई (ee)	*i:*	ईख / eekh / Sugarcane
उ (u)	*u*	उल्लू / ullu / Owl

ऊ (oo)	*u:*	ऊन / Oon / Wool
ऋ (ri)	*rɪ*	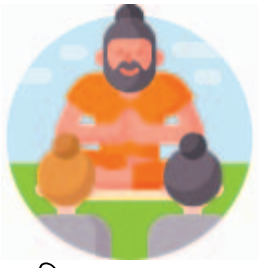 ऋषि / Rishi / Saint
ए (e)	*e:*	एड़ी / Edi / Heel
ऐ (ai)	*ɛ:*	ऐनक / Ainak / Spectacles
ओ (o)	*o*	ओखली / Okhali / Pestle

औ (au)	*oː*	औषधि / Aushadhi / Medicine
अं (an)	*əŋ*	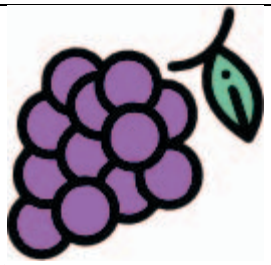 अंगूर / Angoor / Grapes
अः (ah)	*əh*	नमः / Namah / Hello

व्यंजन (Consonants) :-

व्यंजन वे ध्वनियाँ हैं जो स्वरों के साथ मिलकर उच्चरित होती हैं। हिंदी में 33 मूल व्यंजन हैं।

क ka	ख kha	ग ga	घ gha	ङ ṅa
च ch	छ cha	ज ja	झ jha	ञ ña

Vyanjan (Consonants) :-

Vyanjan ve dhvaniyaan hain jo swaron ke saath milkar uchcharit hoti hain. Hindi mein 33 mool vyanjan hain.

Consonants :-

Consonants are the sounds that are pronounced together with vowels. In Hindi, there are 33 basic consonants.

व्यंजन / Vyanjan / Consonants :-

क (Ka)	*kə*	कमल / Kamal / Lotus
ख (Kha)	*kʰə*	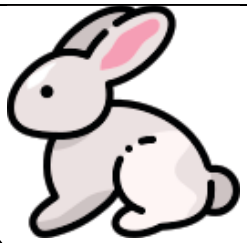 खरगोश / Khargosh / Rabbit
ग (Ga)	*gə*	गमला / Gamla / Flower Pot
घ (Gha)	*gʱə*	घर / Ghar / House
ङ (Nga)	*ŋə*	'ङ' से कोई शब्द शुरू नहीं होता। यह शब्द के बीच में आता है, जैसे-वाङ्मय 'Nga' se koi shabd shuru nahin hota. Yah shabd ke bich men aata hai. Jaise- vangmay

Established by

AISECT™

GROUP OF UNIVERSITIES

India's Leading Higher Education Group

CHHATTISGARH | MADHYA PRADESH | JHARKHAND | BIHAR

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY™ MADHYA PRADESH, BHOPAL

SCOPE GLOBAL SKILLS UNIVERSITY

AISECT UNIVERSITY™ JHARKHAND, HAZARIBAG AN AISECT GROUP UNIVERSITY

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY Chhattisgarh | Madhya Pradesh | Bihar AN AISECT GROUP UNIVERSITY

आईसेक्ट पब्लिकेशन

ई-7/22 एस.बी.आई., अरेरा कॉलोनी,
भोपाल 462016 (म.प्र.), भारत
टेलीफोन: 0755-4851056
ईमेल: aisectpublications@aisect.org

9 789388 846417